 ISSN: 2582-6530

कंचनजंघा

वर्ष: 03, अंक: 05-06, जनवरी- दिसंबर, 2022 (संयुक्त अंक)

इस अंक में...

संपादकीय

तुम्हारा अंतिम गीत (स्मृति: तेमसुला आओ)

लोक कथाएँ

आदमी और शैतान (सुमी आदिवासी- नागालैंड) — लूसी सवु एवं आशीष कुमार

का नॉहकालिकाइ (मेघालय की लोककथा) — एह्सिंग खिएव्ताम्

हिंदी के सजग प्रहरी

'अरुण नागरी' के उत्तर-पूर्वी संबोधक रमण शाण्डिल्य — राजीव रंजन प्रसाद

लेख

अरुणाचल प्रदेश के साहित्यिक विकास में महिलाओं की भूमिका — आरती शर्मा

पूर्वोत्तर भारत की औपन्यासिक अभिव्यक्ति — अरविंद कुमार यादव

अरुणाचल प्रदेश का आदिवासी समाज और स्त्री-जीवन — अभिषेक कुमार यादव एवं चेबी मिहु

असमीया विवाह गीतों में राम का प्रसंग — करबी भूयाँ

कविताएं

प्रवीण खालिंग की दो कविताएं

जमुना बीनी की तीन कविताएं

दीपा राई की चार कविताएं

जोराम यालाम नाबाम की चार कविताएं

सविता दास सवि की पाँच कविताएं

अनूदित रचनाएँ

कविता (असमीया से हिंदी)

समीर तांती की चार कविताएं अनुवादक: दिनकर कुमार

कहानी (नेपाली से हिंदी)

मनमाया लिम्बूनी: विक्रमी संवत्

मूल रचना: भीम दाहाल अनुवादक: सुवास दीपक

लेख (अंग्रेजी से हिंदी)

त्रिलोचन पोखरेल: भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में सिक्किम की सीमांत कथा

मूल लेख: बिनोद भट्टराई एवं राजेन उपाध्याय अनुवादक: मणि मोहन

लेख (मिजो से हिंदी)

ईसाई धर्म पूर्व मिजो के धार्मिक विचार

मूल लेख: जे वी ल्हुना अनुवादक : डॉ जेनी मलसोमदोङकिमी

पूर्वोत्तर भारत का पौराणिक क्षितिज

वन्य जीवन की मिजो रामकथा डॉ. मुनीन्द्र मिश्र

कहानी

बेटी: ताश के पत्ते मोर्जुम लोयी

पुस्तक समीक्षा

स्कूली शिक्षा व्यवस्था बनाम अरण्य रोदन डॉ. वीना सुमन